बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



एलिय्याह और बाल के भविष्यद्वक्ता

कर्मेल पर्वत पर एक अविस्मरणीय घटना हुई। एलिय्याह ने लोगों को दिखाया कि यहोवा ही एकमात्र परमेश्वर है जो सुनता और उत्तर देता है।



सब कर्मेल पर्वत पर

राजा अहाब ने इस्राएल के लोगों को कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा किया। बाल के चार सौ पचास भविष्यद्वक्ता भी आए। एलिय्याह उन्हें दिखाने के लिए तैयार था कि सच्चा परमेश्वर कौन है।



तुम किसके पीछे चलोगे?

एलिय्याह ने लोगों से पूछा, 'यदि यहोवा परमेश्वर है, तो उसके पीछे चलो; यदि बाल परमेश्वर है, तो उसके पीछे चलो।' पर किसी ने उत्तर नहीं दिया, क्योंकि वे अभी निर्णय नहीं कर पाए थे।



दो वेदियों की परीक्षा

एलिय्याह ने सुझाव दिया कि लकड़ी और बलि के साथ दो वेदियाँ तैयार की जाएँ, पर आग न लगाई जाए। भविष्यद्वक्ता बाल को पुकारेंगे और एलिय्याह यहोवा को। जो परमेश्वर आग से उत्तर दे, वही सच्चा परमेश्वर होगा।



एक सुबह बिना उत्तर के

बाल के भविष्यद्वक्ताओं ने अपनी वेदी तैयार की और पुकारने लगे, ‘हे बाल, हमारी सुन!’ वे बार-बार चिल्लाए, पर कोई आवाज़ नहीं आई और आग नहीं उतरी।



बहुत घंटे बीत गए

दोपहर में एलिय्याह ने उनसे कहा कि और ऊँचे स्वर में पुकारें। वे चिल्लाते रहे और अपनी रीति के अनुसार अपने शरीर को घायल भी किया। शाम हो गई, पर न कोई आवाज़ आई, न उत्तर, न कोई चिन्ह।



यहोवा के लिए बारह पत्थर

तब एलिय्याह ने लोगों को पास बुलाया। उसने इस्राएल की बारह जातियों के लिए एक-एक, कुल बारह पत्थरों से यहोवा की वेदी की मरम्मत की। फिर उसने नाली बनाई और लकड़ी तथा बलि को सजाया।



वेदी पर पानी

एलिय्याह ने कहा कि चार घड़े पानी वेदी पर डालो। उन्होंने दूसरी बार और फिर तीसरी बार भी ऐसा किया। पानी ने लकड़ी को भिगो दिया, पत्थरों से बहा और नाली को भर दिया।



एलिय्याह की प्रार्थना

एलिय्याह पास आया और प्रार्थना की, ‘हे यहोवा, उत्तर दे, ताकि ये लोग जान लें कि तू ही परमेश्वर है और तू उनके हृदय को फिर अपनी ओर फेरना चाहता है।’ सब चुप हो गए और प्रतीक्षा करने लगे।



परमेश्वर ने आग से उत्तर दिया

अचानक यहोवा की आग उतरी। उसने बलि, लकड़ी, पत्थर, मिट्टी और नाली का पानी तक भस्म कर दिया। परमेश्वर ने एलिय्याह की प्रार्थना सुन ली थी।



यहोवा ही परमेश्वर है!

जब लोगों ने यह देखा, तो वे सब श्रद्धा से झुक गए और बोले, ‘यहोवा ही परमेश्वर है!’ उन्होंने समझा कि मूर्तियाँ नहीं सुनतीं, पर सच्चा परमेश्वर सुनता है।



एक बहुत गंभीर निर्णय

एलिय्याह ने उन भविष्यद्वक्ताओं को पकड़ने का आदेश दिया जिन्होंने लोगों को परमेश्वर से दूर किया था। उन्हें कीशोन नाले के पास ले जाया गया और वहाँ उनके जीवन का अन्त हुआ। यह एक बहुत गंभीर परिणाम था, जिसे बिना हिंसा दिखाए बताया गया है।



वह परमेश्वर जो सुनता है

कर्मेल पर्वत पर लोगों ने सीखा कि यहोवा सुनता और उत्तर देता है। यह कहानी हमें भी सच्चे परमेश्वर पर भरोसा करने और पूरे हृदय से उसके पीछे चलने के लिए बुलाती है।